Navodaya Kranti Geography Help Book 1(12th)

छात्र/छात्रा का नाम...

Dr. Sunita Dhull Ji, PGT Geography
GGSSS Murthal Adda Sonepat Haryana (9729124466)
Book Designer :- Mr. Rohit Kumar Telangana
प्रेरणास्त्रोत :- नवोदय क्रांति परिवार भारत
www.navodayakranti.com navodayakranti@gmail.com

सबके लिए सरकारी शिक्षा बेहतर हो हमारी शिक्षा

class XII ①

मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त

Ch. 1. मानव भूगोल: प्रकृति एवं विषय क्षेत्र

भूगोल
(भू + गोल)
पृथ्वी का वर्णन — वर्णनात्मक शास्त्र
↓
पृथ्वी और उस पर रहने वाले जैविक वातावरण के बीच अन्तः क्रियाओं का अध्ययन

भौतिक भूगोल
(भौतिक पर्यावरण - धरातल, मिट्टी, जलवायु, समुन्द्रों आदि का अध्ययन)

मानव भूगोल
भौतिक एवं मानवीय जगत के बीच अन्तर्सम्बन्ध, मानवीय घटनाओं का स्थानिक वर्णन एवं विश्व के विभिन्न भागों में सामाजिक - आर्थिक भिन्नताओं का अध्ययन करता है।

मानव भूगोल की परिभाषाएँ :→

रैटजेल के अनुसार " मानव भूगोल मानव समाजों और धरातल के बीच सम्बन्धों का संश्लेषित अध्ययन है।"

एलन सी॰ सैम्पल के अनुसार " मानव भूगोल अस्थिर पृथ्वी और क्रियाशील मानव के बीच परिवर्तनशील सम्बन्धों का अध्ययन है।"

मानव भूगोल की प्रकृति :→

मानव भूगोल भौतिक पर्यावरण तथा मानव जनित सामाजिक सांस्कृतिक पर्यावरण के अन्तर्सम्बन्धों का अध्ययन उनको परस्पर अन्योन्यक्रिया द्वारा करता है।

मानव का प्राकृतिकरण और प्रकृति का मानवीकरण :-

Prepared By
Sunita Dhi[illegible]
PGT Geog. C[illegible]

मानव का प्रकृतिकरण →

मनुष्य अपने प्रौद्योगिकी की सहायता से अपने भौतिक पर्यावरण से अन्योन्यक्रिया करता है। यह महत्वपूर्ण नहीं है कि क्या निर्माण किया है बल्कि महत्वपूर्ण है कि किन उपकरणों और तकनीकी की सहायता से उत्पादन और निर्माण करता है।

(उदाहरण– बेवासकुरुप)

इसे पर्यावरणीय निश्चयवाद भी कहते हैं।

निश्चयवाद | नियतिवाद (आदिम मानव समाज और प्रकृति की प्रबल शक्तियों के बीच की क्रिया – पर्यावरणीय)

से अभिप्राय: प्रकृति सर्वोपरि है। मनुष्य प्रकृति परिस्थितियों के अनुसार ही कार्य करने को बाध्य है।

समर्थक – रैटनर, हम्बोल्ट | अमेरिकी विचारधारा

प्रकृति का मानवीकरण | सम्भववाद (ट्रान्सलिज्म अह करी)

समर्थक – विडाल-डी-ला ब्लॉश | फ्रेंच विचारधारा

मनुष्य प्राकृतिक परिस्थितियों में आवश्यकतानुसार परिवर्तन कर सकता है। प्रकृति में विकास की सम्भावनाएँ हैं जिसे मनुष्य अपने बौद्धिक ज्ञान के आधार पर परिवर्तित कर सकता है। मनुष्य सर्वोपरि है। जैसे – कांच के घर, फ्रीजिड वेजीटेबल आदि।

नव – निश्चयवाद (Exp. Red light)

– रुको और जाओ निश्चयवाद भी कहते हैं।

समर्थक – ग्रिफिथ टेलर

इस विचारधारा के अनुसार प्रकृति में परिवर्तन की सम्भावनाएँ हैं। मनुष्य अपनी आवश्यकतानुसार उनमें एक निश्चित सीमा तक परिवर्तन कर सकता है।

3

कल्याणपरक विचारधारा) – लोगों के कल्याण से सम्बन्धित है।

आमूलवादी (रेडिकल विचारधारा)

निर्धनता के कारण बन्धन और सामाजिक असमानता के लिए मार्क्स के सिद्धान्तों को अपनाया। अर्थात पूर्ण परिवर्तन।

व्यवहारिक विचारधारा

प्रत्यक्ष अनुभव के साथ-2 मानव जातीयता प्रजाति, धर्म इत्यादि पर आधारित सामाजिक संवर्गों के विकास पर ज्यादा जोर दिया।

मानव भूगोल के क्षेत्र और उपक्षेत्र

मानव भूगोल – मानव जीवन के सभी तत्वों तथा अन्तराल जिसके अन्तर्गत वे घटित होते हैं, के मध्य सम्बन्ध की व्याख्या करने का प्रयास करता है।

अतः मानव भूगोल की प्रकृति – अन्तरविषयक है।

समयावधि	उपागम	वृहद लक्षण
उपनिवेश	अन्वेषण और विवरण	सामा० व्यापारिक रुचि
–	प्रादेशिक विश्लेषण	सभी पक्षों का विस्तृत वर्णन
अन्तरयुद्ध अवधि के बीच 193_ का दशक (1920-30)	क्षेत्रीय विभेदन	– कारण, क्यों भिन्नताएँ
1950-60 के दशक	स्थानीय संगठन	कम्प्यूटर, परिष्कृत सांख्यिकीय विधियाँ मात्रात्मक क्रांति
1970 का दशक →	मानवतावादी, आमूलवादी व्यवहारवादी विचारधारा और आधुनिककाल	सामान्यीकरण, मानवीय नियमों की व्याख्या
1990 का दशक		

मानव भूगोल के क्षेत्र	उपक्षेत्र	सामाजिक विज्ञानों से सम्बन्ध
① सामाजिक भूगोल	व्यवहारवादी भूगोल →	सामाजिक विज्ञानों समाजशास्त्र मनोविज्ञान
	सामाजिक कल्याण का भूगोल	कल्याण अर्थशास्त्र
	सांस्कृतिक भूगोल →	मानवविज्ञान
	ऐतिहासिक भूगोल –	इतिहास
	चिकित्सा भूगोल –	महामारी विज्ञान
② नगरीय भूगोल →		नगरीय अध्ययन, नियोजन
③ राजनीतिक भूगोल →		राजनीति विज्ञान सैन्य विज्ञान
④ जनसंख्या भूगोल →		जनांकिकी
5 आवास भूगोल		नगर / ग्राम नियोजन
6 आर्थिक भूगोल	संसाधन भूगोल	संसाधन अर्थशास्त्र
	कृषि भूगोल	कृषि विज्ञान
	उद्योग भूगोल	औ० अर्थशास्त्र
	विपणन भूगोल	व्यवसायिक अर्थशास्त्र
	पर्यटन भूगोल	पर्यटन और यात्रा प्रबन्धन
	अन्तराष्ट्रीय व्यापार का भूगोल	अन्तराष्ट्रीय व्यापार

Know Yourself

Worksheets

By Sunita
PGT Geog
GGSSS, Sonj

What You Learnt

Q. 1. मानव भूगोल क्या है?

Q. 2. मानव भूगोल के उपक्षेत्रों के नाम बताइए

Q. 3. 'रूको और जाओ' अर्थात नवनिश्चयवाद से क्या अभिप्राय: है?

Q. 4. नियतिवाद / पर्यावरणीय निश्चयवाद से क्या अभिप्राय: है?

Q. 5. "सम्भववाद प्रकृति पर मानव की विजय का प्रतीक है," कैसे?

Class XII Geography

Prepared By: Sunita Dhull, PGT Geog.

(1)

Ch. 2: जनसंख्या : वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन

जनसंख्या घनत्व

प्रति वर्ग कि० मी० में रहने वाले लोगों की संख्या, जिसे व्यक्ति प्रति वर्ग० कि० मी० में व्यक्त किया जाता है।

जनसंख्या घनत्व = $\frac{\text{जनसंख्या}}{\text{क्षेत्रफल}}$

जनसंख्या और घनत्व के वितरण में असमानता पाई जाती है, क्योंकि इसके वितरण को अनेक कारक प्रभावित करते हैं।

जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कारक →

भौगोलिक कारक
1. जल की उपलब्धता
2. भू- आकृति
3. जलवायु
4. मृदाएँ
5. अन्य भौतिक विभिन्नताएँ

आर्थिक कारक
- खनिज
- नगरीकरण
- औद्योगिकरण

सामाजिक-सांस्कृतिक कारक
- धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के कारण लोगों का आकर्षण आदि

जनसंख्या वृद्धि :→

समय के दो अन्तरालों के बीच एक विशेष क्षेत्र में होने वाली जनसंख्या परिवर्तन को जन० वृद्धि कहते हैं। यह ऋणात्मक और धनात्मक दोनों प्रकार हो सकती है।

जनसंख्या परिवर्तन →

जनसंख्या परिवर्तन से अभिप्राय: किसी क्षेत्र में समय की किसी निश्चित अवधि के दौरान बसे हुए लोगों की संख्या के परिवर्तन से है। जनसंख्या परिवर्तन किसी क्षेत्र की —
आर्थिक प्रगति, सामाजिक उत्थान, ऐतिहासिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का सूचक होता है।

जनसंख्या परिवर्तन के घटक →

- **जन्म-दर** — किसी वर्ष विशेष में (प्रति हजार पर जन्म लेने) वाले जीवित बच्चों की संख्या
- **मृत्युदर** — किसी वर्ष विशेष में प्रति हजार पर मरने वाले व्यक्तियों वालो की संख्या।
- **प्रवास** — (एक स्थान से दूसरे स्थान पर लोगों का स्थानान्तरण)

प्रवास —

उद्गम स्थल →
जब लोग एक स्थान से दूसरे स्थान पर आ जाते हैं तो वह स्थान जहाँ से आते हैं, उद्गम स्थान कहलाता है।
और जहाँ पर गमन करते हैं, गन्तव्य स्थान कहलाता है।

आप्रवास और उत्प्रवास

- **आप्रवास** — प्रवासी जो नए स्थान पर जाते हैं, जिससे वहाँ की जनसंख्या बढ़ जाती है।
- **उत्प्रवास** — प्रवासी जो एक स्थान से बाहर जाते हैं, जिससे उस क्षेत्र की जनसंख्या कम हो जाती है।

प्रवास को प्रभावित करने वाले कारक

अपकर्ष कारक

Pull factor भी कहते हैं।

शिक्षा, स्वास्थ्य, सामान्य जीवन सुविधाएँ, जो जनसंख्या को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

प्रतिकर्ष कारक

Push factor

वे नकारात्मक परिस्थितियाँ जैसे - निम्न शिक्षा, रोजगार, जीवन सुविधाएँ, जिनके कारण लोग दूसरे भागों की ओर चले जाते हैं।

जनसंख्या परिवर्तन के स्थानिक प्रतिरूप

1. विकसित देशों में वृद्धि विकासशील की तुलना में कम
2. वार्षिक वृद्धि दर 1.4%, परन्तु सभी भागों में असमान है।

विश्व वृद्धि दर 1.6% जो अब 1.4%

अफ्रीका महाद्वीप में सर्वाधिक 2.4%

ओशिनया में न्यूनतम 1.3%

जनसांख्यिकीय | जनांकिकीय संक्रमण

प्रथम अवस्था → उच्च प्रजननशीलता और मृत्यता (महामारी, भोजन की अनिश्चितता, पिछड़ी अर्थव्यवस्था का सूचक कृषि प्रधान समाज, निम्न प्रौद्योगिकी स्त[र])

द्वितीय अवस्था → प्रजननशीलता उच्च, मृत्युदर में कमी, चिकित्सा सुविधाओं में सुधार, स्वच्छता की ओर ध्यान विकासशील अर्थव्यवस्था

तृतीय अवस्था → प्रजननशीलता और मर्त्यता दोनों कम, ह्रास की अवस्था, उच्च प्रौद्योगिकी स्तर,

(5)

जनसंख्या नियन्त्रण के उपाय

1. परिवार नियोजन – जन्मदर पर नियन्त्रण और अधिक अन्तराल
2. महिला स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान
3. विवाह की उम्र में वृद्धि
4. साक्षरता, जागरूकता
5. प्रचार, गर्भ-निरोधक दवाईयों का प्रयोग

थॉमस माल्थस के सिद्धान्त के अनुसार (1993)

लोगों की संख्या खाद्य आपूर्ति की अपेक्षा तेजी से बढ़ेगी तो अकाल, बीमारी और युद्ध की विभिषिका का सामना करना पड़ेगा।

अतः जनसंख्या वृद्धि पर नियन्त्रण अत्यन्त आवश्यक है।

" विकास उत्तम गर्भ निरोधक है।"

12/4/2020

Worksheet of Ch. 2
Class - XII, Sub. Geog.

By: Sunita, PGT Geog.
GGSSS, Sonepat

Q: मानचित्र की कहानी - उसी की जुबानी ... चलो, सुनते हैं

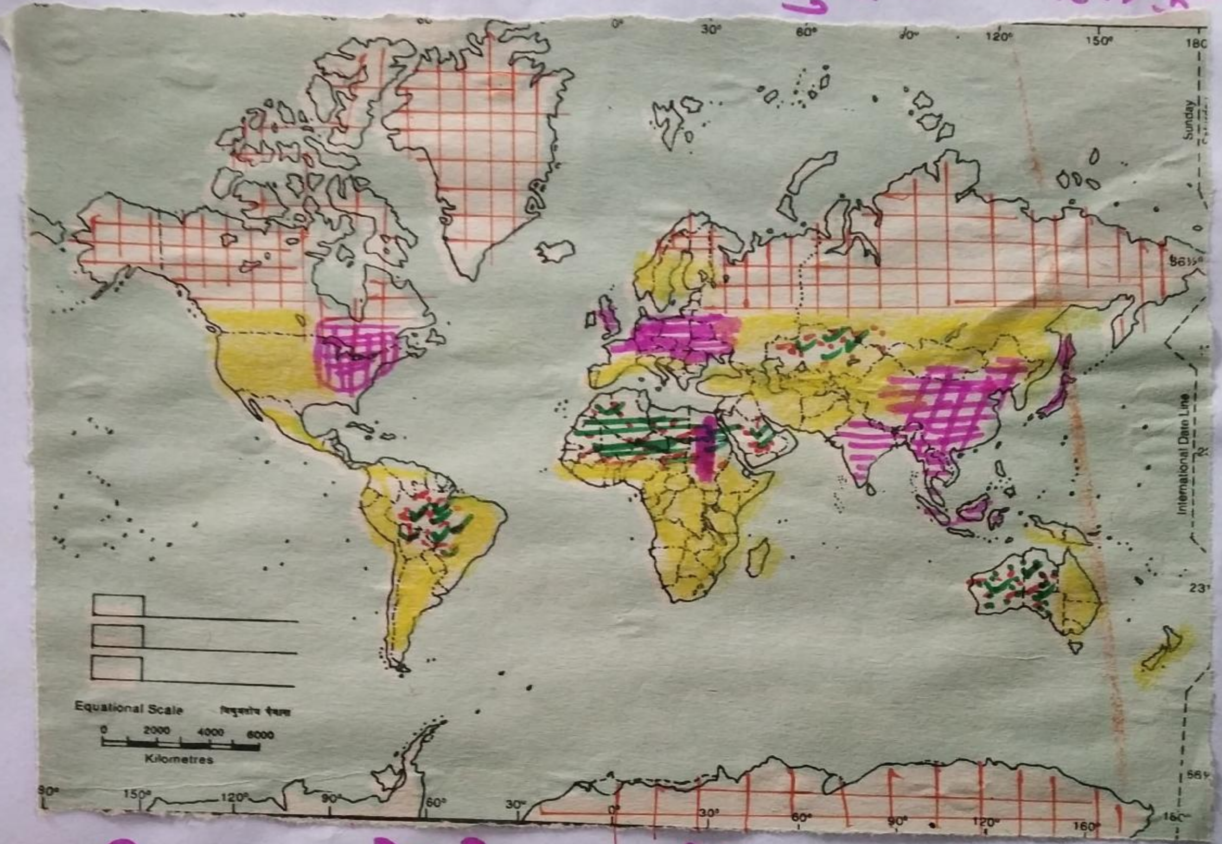

अब दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. ध्रुवीय क्षेत्र, जिनमें जनसंख्या घनत्व विरल पाया जाता है?
a) अलास्का b) अंटार्कटिका c) यूरोप व एशिया के क्षेत्र d) उपर्युक्त सभी

2. उ० अमेरिका का उ० पूर्वी क्षेत्र किस प्रकार के बसाव का क्षेत्र है?
a) अति न्यून b) अधिक c) मध्यम d) अत्यधिक बसाव क्षेत्र

3. आस्ट्रेलिया के महान मरुस्थल में जनसंख्या घनत्व कम क्यों है?
a) विषम जलवायु b) कम वर्षा c) असमान धरातल d) उपर्युक्त सभी

4.) एशिया का कौन सा क्षेत्र सघन बसा हुआ है?
a) पर्वतीय b) द० पूर्वी एशिया c) मध्य एशिया d) कोई नहीं

दिए गए आरेख का अध्ययन कीजिए ।

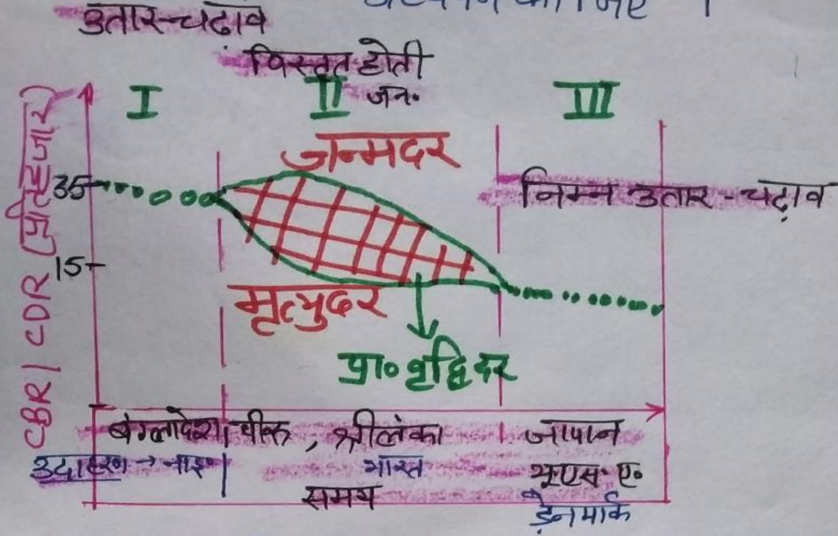

जनसांख्यिकीय संक्रमण

Now give answer of the following questions based on this diagram.

1. भारत जनसंख्या संक्रमण की किस अवस्था से सम्बन्धित। पड़ता है।
a) प्रथम b) द्वितीय c) तृतीय d) किसी में भी नहीं ।

2. कौन-सी अवस्था अधिक-उतार-चढ़ाव की अवस्था होती है?
a) द्वितीय b) प्रथम c) प्रथम और द्वितीय, दोनों d) कोई नहीं

3. जनसंख्या संक्रमण की द्वितीय अवस्था में उच्च जन्मदर और मृत्युदर से निम्न होने के क्या कारण हैं?
a) अधिक मृत्यु b) कम प्राकृतिक वृद्धि दर
c) विकास और चिकित्सा सुविधाओं का प्रभाव d) पिछड़ापन

4. जब जन्मदर और मृत्युदर दोनों उच्च होती हैं, तो जन० वृद्धि पर क्या प्रभाव पड़ता है?
a) कम हो जाती है b) बढ़ जाती है c) अनिश्चित d) स्थिर हो जाती है।

5. किन-2 देशों में जनसंख्या ह्रास की स्थिति है?
a) डेनमार्क b) यू० एस० ए० c) जापान d) उपर्युक्त सभी

Prepared By
Sunita PGT Geo

Class XII Geography

Chapter – 3 जनसंख्या संघटन

(1)

Prepared By: Sunil Dhull

(जनसंख्या संघटन) →

प्रमुख जनसांख्यिकीय विशेषताओं जैसे – लिंग, आयु, आवास और व्यवसाय आदि के आधार पर जनसंख्या का विभाजन / वितरण जनसंख्या संघटन कहलाता है।

(लिंग संघटन) →

जनसंख्या में स्त्रियों और पुरुषों की संख्या के बीच अनुपात को लिंग संघटन या लिंगानुपात कहते हैं।

या

प्रति हजार पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या को पुरुष-स्त्री अनुपात या लिंगानुपात कहते हैं। इसे प्रति हजार के व्यक्त किया जाता है।

भारत में यह ज्ञात करने का सूत्र :–

$$\text{लिंगानुपात} = \frac{\text{स्त्रियों की संख्या}}{\text{पुरुषों की संख्या}} \times 1000$$

यह किसी भी देश में स्त्रियों सम्बन्धी महत्वपूर्ण आँकड़े उपलब्ध करवाता है। जिन क्षेत्रों में स्त्री भ्रूण हत्या, स्त्री शिशु मृत्यु और स्त्रियों के प्रति घरेलू हिंसा, सामाजिक उपेक्षा आदि होती है वह लिंग अनुपात स्त्रियों के विपक्ष में होता है।

विश्व जनसंख्या का औसत लिंगानुपात 990 स्त्रियाँ : 1000 पुरुष (990 : 1000 है)

उच्चतम लिंगानुपात — लैटविया (1187/1000) है।

निम्नतम लिंगानुपात — संयुक्त अरब अमीरात (यू॰ ए॰ ई॰) 468/1000 है।

सामान्यत: एशिया में लिंगानुपात निम्न है — चीन भारत — दूसरी और यूरोप सहित विस्तृत भाग में पुरुष कम हैं। UNO द्वारा सूचीबद्ध देशों में 139 में लिंगानुपात अनुकूल तो 72 देशों में प्रतिकूल है। यह पुरुष उत्प्रवास के कारण है।

आयु संरचना →

विभिन्न आयु वर्गों के अनुसार जनसंख्या का विभाजन आयु-संरचना कहलाता है। जैसे — 0-14, 15-59 और 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग।

i) 0 - 14 वर्ष बाल वर्ग]
ii) 15 - 59 वर्ष युवा वर्ग | अर्जक | उत्पादक | क्रियाशील जनसंख्या
iii) > 60 वर्ष वृद्ध व्यक्ति] (i, iii) आश्रित | अनुत्पादक वर्ग

उच्च युवा जनसंख्या से अभिप्राय: जन्मदर ऊँची और कार्यशील जनसंख्या अधिक।

आयु-लिंग पिरामिड →

जनसंख्या की आयु-लिंग संरचना से अभिप्राय: विभिन्न आयु वर्गों में स्त्री और पुरुष जनसंख्या से है और इस अनुपात को आयु-लिंग पिरामिड से प्रदर्शित किया जाता है। जिसका आकार — क्रमशः विस्तारित होती जनसंख्या, स्थिर और ह्रासमान जनसंख्या को प्रदर्शित करता है।

as Given on Pg. No. — 19, 20

ग्रामीण-नगरीय संघटन →

जनसंख्या का आवास स्थान के आधार पर विभाजन। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि ग्रामीण और नगरीय जीवन आजीविका सा० दशाओं, विकास अवस्थाओं आदि में भिन्न होते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के लोग मुख्यतः प्राथमिक क्रियाओं में (कृषि, खनन, मत्स्य, पशुपालन) संलग्न होते हैं जैसे — भारत, पाकिस्तान।
और नगरीय जनसंख्या अधिकतर द्वितीयक और तृतीयक क्रियाकलाप ज्यादा करती है जैसे — यू० एस० ए०, ब्रिटेन, नगरीकरण विकास का सूचक माना जाता है।

साक्षर जनसंख्या का अनुपात उसके सामाजिक-आर्थिक विकास का सूचक होता है क्योंकि इससे — रहन-सहन के स्तर, महिलाओं की सामाजिक स्थिति, शैक्षणिक सुविधाओं की उपलब्धता तथा सरकार की नीतियों का पता चलता है।

"आर्थिक विकास का स्तर साक्षरता का कारण और परिणाम" है।

साक्षर →

भारत में 7 वर्ष से अधिक आयु वाला व्यक्ति जो सामान्य पढ़-लिख सकता है, साक्षर कहलाता है।

व्यवसायिक संरचना →

जनसंख्या का विभिन्न व्यवसायों या आर्थिक क्रियाओं के अनुसार विभाजन व्यवसायिक संरचना कहलाता है।

(जनसंख्या — कार्यशील जनसंख्या का) जो 15 – 59 वर्ष की आयु का (काम करने वाले लोग कहलाते हैं)

- प्राथमिक क्रियाएँ — कृषि, वानिकी, मत्स्य, पशुपालन --- (Red coller Job)
- द्वितीयक क्रियाएँ — उद्योग (विनिर्माण उद्योग) (Blue coller Job)
- तृतीयक क्रियाएँ → संचार सेवाएँ, बीमा, बैंकिंग --- अर्थात सभी प्रकार की सेवाएँ (White coller Job)
- चतुर्थक क्रियाएँ → अनुसन्धान और वैचारिक विकास से जुड़े कार्य (Pink coller Job)
- इन चार खण्डों में कार्यशील जनसंख्या का अनुपात किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास का सूचक है।
- सेवाएँ ... सेवाएँ (Golden coller Job — नीति निर्माण)

Sunita, PGT Geog.
GGSSS, Sonepat

Worksheet of ch. 3
Class - XII , Sub. Geography
जनसंख्या संघटन

1 किसी क्षेत्र में पुरुष स्त्री अनुपात को क्या कहते हैं ?

2 लिगांनुपात = $\frac{\cdots}{\cdots} \times 1000$

3. लिगांनुपात किस रूप में प्रदर्शित किया जाता है ? (%या प्रतिहज

4. विभिन्न आयुवर्गों के अनुसार जनसंख्या का विभाजन क्या कहलाता है ?

5. अनुत्पादक / अक्रियाशील जनसंख्या में कौन-कौन सा आयु सम्मिलित किया जाता है ?

6. अर्जक जनसंख्या किस आयु-वर्ग को कहा जाता है, जो लाभदायक आर्थिक कार्यों में योगदान देती है ?

7. इन आयु पिरामिडों के नाम बताइए।

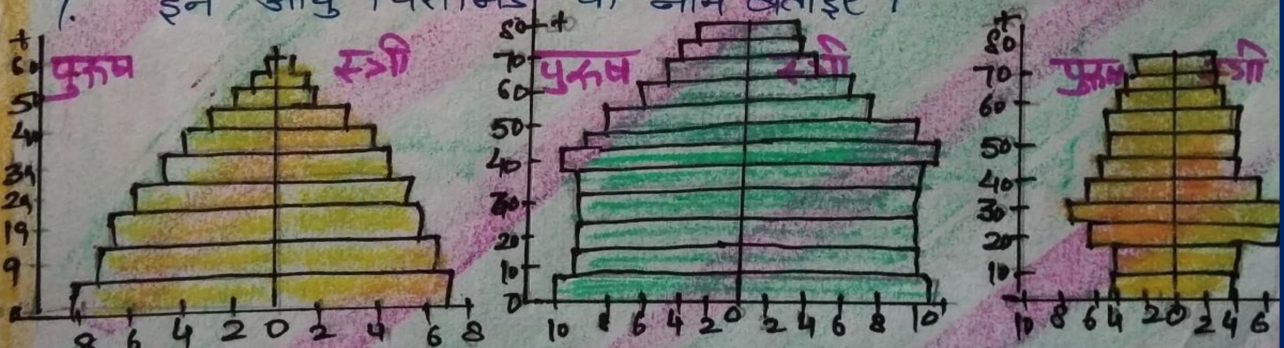

1 2 3

a) निम्नलिखित आयु-पिरामिडों (नं. 1) किस देश को परिलक्षित करत

b) इन पिरामिडों के आधार पर जनसंख्या की आयु और लिंग से सम्बन्धित एक-एक विशेषताएँ लिखिए।

(2)

8. आरेख नं०-1 जन्म-दर और मृत्युदर के बारे में क्या बताता है ?

9. आरेख नं०-3 किस देश से सम्बन्धित है ?

10. आरेखों का अध्ययन करने के बाद क्या आप जानपाए कि आयु-लिंग पिरामिड की आकृति जनसांख्यिकीय विशेषताओं को परिलक्षित करती है ? अगर हाँ, तो कैसे ?

11. ग्रामीण और नगरीय जनसंख्या को किस आधार पर अलग किया जाता है ? कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

12. नगरों की प्रमुख समस्याएँ क्या-2 होती हैं ? (कोई दो)

13. विकासशील देशों में कार्यशील जनसंख्या का अधिकतर भाग किन व्यवसायों में लगा होता है ?

14. तेजी से बढ़ता हुआ व्यवसायिक क्षेत्र कौन-सा है ?
प्राथमिक | द्वितीयक | तृतीयक, चतुर्थक

15. विश्व में उच्चतम और निम्नतम लिंगानुपात वाले देशों के नाम बताइए।

By: Sunita, PGT Geo
GGSSS, Sonepat

It's Quiz Time ?

1. किस देश में लिंगानुपात सर्वाधिक है?
   a) लैटविया b) यू॰ एस॰ ए॰ c) भारत

2. White Coller Job । श्रमिक किस व्यवसायों में लगे व्यक्तियों को कहा जाता है?
   a) प्राथमिक b) द्वितीयक c) तृतीयक d) चतुर्थक

3. अर्जक जनसंख्या में कौन-सा आयु-वर्ग सम्मिलित है?
   a) >60 वर्ष b) 15+58 वर्ष c) 15-59 वर्ष d) 0-14 वर्ष

4. सबसे कम लिंगानुपात किस देश में है?
   a) यू॰ ए॰ ई॰ b) यू॰ एस॰ ए॰ c) यू॰ के॰ d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

5. नगरीय क्षेत्रों में अधिकतर (>75%) श्रमबल किन कार्यों में लगा होता है?
   a) कृषि b) उद्योगों c) मत्स्यन d) सेवाओं और निर्माण में

- दिए गए पिरामिडों को पहचानो और नाम दो।

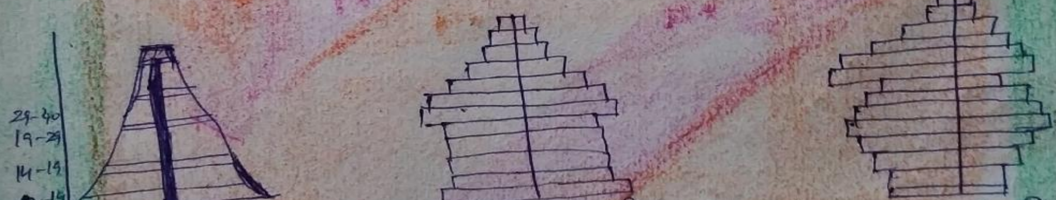

पुरुष-स्त्री अनुपात I — आयु लिंग पिरामिड II — आयु लिंग पिरामिड III

(1) इनके नाम बताइए ये किस प्रकार के पिरामिड हैं। 1. ______ 2. ______ 3. ______

(2) ये किस 2 देश को प्रदर्शित करते हैं। 1. ______ 2. ______ 3. ______

Class XII Geography

Ch. - 4 मानव विकास

By: Sunita Dhull
Lec. Geog.
GGSSS, Sonepat

विकास →

विकास की संकल्पना मूल्य धनात्मक होती है। गुणात्मक परिवर्तन, जो मूल्य सापेक्ष होता है। विकास कहलाता है।

वृद्धि और विकास

वृद्धि मात्रात्मक और मूल्य निरपेक्ष होती है, यह धनात्मक और मात्रात्मक (ऋणात्मक) दोनों प्रकार के परिवर्तन की ओर इंगित करती है जबकि विकास गुणात्मक और मूल्य सापेक्ष होता है जो केवल सकारात्मक वृद्धि की ओर इशारा करता है।

उदाहरण

नगर की जनसंख्या में वृद्धि जो 10 लाख से 15 लाख - परन्तु जनसंख्या वृद्धि के साथ सुविधाएँ - आवास, शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य में वृद्धि नहीं हुई, तो विकास ~~नहीं~~ नहीं, वृद्धि हुई है।

मानव विकास

मानव विकास संकल्पना - डॉ० महबूब उल हक के द्वारा 1990 में दी गई।

महबूब उल हक के अनुसार "मानव विकास से अभिप्राय विकल्पों में परिवर्धन से है ताकि मनुष्य आत्मसम्मान के साथ दीर्घ और स्वस्थ जीवन जी सके।"

अमृत्य सेन (प्रसिद्ध भारतीय नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री) ने विकास का ध्येय - "स्वतंत्रता में वृद्धि" है।

मानव विकास

②

लोगों के कल्याण के लिए विकल्पों में वृद्धि करने की प्रक्रिया है।

उद्देश्य :→

1. लोगों का कल्याण
2. जीवन स्तर ऊपर उठाना

सूचकांक → शिक्षा, साक्षरता
→ दीर्घ और स्वस्थ जीवन
→ प्रति व्यक्ति आय, उच्च जीवन स्तर

संसाधनों तक पहुँच, स्वास्थ्य और शिक्षा मानव विकास के केन्द्र बिन्दु हैं।

HDI — मानव विकास सूचकांक (Human Development Index)

UNDP — संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (United Nations Development Programme)

1990

Score — 0 — 1 के बीच

निर्धारण आधार → शिक्षा, स्वास्थ्य, दीर्घ जीविता, संसाधनों तक पहुँच

मानव विकास के स्तम्भ

1. **समता** — प्रत्येक व्यक्ति को उपलब्ध अवसरों के लिए समान पहुँच (बिना किसी जाति, लिंग, साम्प्रदायिक भेदभाव के)

2. **सतत पोषणीयता** — सभी पर्यावरणीय संसाधनों का विकास भविष्य को ध्यान में रखकर बुद्धिमतापूर्वक करें ताकि विकास निरन्तर हो।

3. **उत्पादकता** — मानवश्रम उत्पादकता, लोगों में क्षमताओं का निर्माण ताकि उत्पादकता, कार्य क्षमता में निरन्तर वृद्धि हो।

4. **सशक्तीकरण** — विकल्प चुनने की शक्ति। मानव कल्याणकारी और विकासोन्मुखी नीतियाँ

मानव विकास के उपागम

③

→ मानव विकास क्यों किया जाए और क्या उद्देश्य है।

1. आय उपागम → मानव विकास को आय के साथ जोड़कर देखा जाता है। आय का स्तर ऊँचा होने पर व्यक्ति के परिवार, स्वतंत्रता और सोचने की क्षमता में वृद्धि होती है।

2. कल्याण उपागम → यह उपागम शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और सुख-संसाधनों पर उच्चतर सरकारी व्यय के बारे में बताता है कि मुख्य उद्देश्य कल्याण पर अधिकतम व्यय करके मानव विकास के स्तरों में वृद्धि हो, बढ़ोतरी हो।

3. आधारभूत आवश्यकता उपागम → इस उपागम का उद्देश्य छः न्यूनतम आवश्यकताओं — स्वास्थ्य, शिक्षा, भोजन, आवास, जलापूर्ति और स्वच्छता की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। यह अन्तराष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) द्वारा प्रस्तावित किया गया था।

4. क्षमता उपागम → संसाधनों तक पहुँच के साथ-2 मानव क्षमताओं का निर्माण करना चाहिए ताकि मानव संसाधनों का समुचित उपयोग कर सके।

मानव विकास का मापन

मानव विकास का मापन करने के लिए UNDP ने 1990 में HDI संकेतक दिए जिससे मानव विकास का स्तर मापन किया जा सकता है।

HDI संकेतकों — शिक्षा, साक्षरता
स्वास्थ्य, दीर्घ जीविता
संसाधनों तक पहुँच

के आधार पर देशों का क्रम तैयार करता है। यह क्रम 0 – 1 के स्कोर पर आधारित होता है।

स्वास्थ्य के मूल्यांकन के लिए — जन्म के समय जीवन प्रत्याशा (जीवित रहने की आयु)

शिक्षा के लिए → प्रौढ़ साक्षरता दर, सकल नामांकन, विद्यालयों में नामांकित बच्चे, ज्ञान तक पहुँच आदि

संसाधनों तक पहुँच को → क्रय शक्ति (डालर) के सन्दर्भ में मापा जाता है।

मानव विकास इन सभी मदों को 0-1 के मापक पर दिया गया मान है

.983 स्कोर — अति उच्च स्तर

मानव विकास स्तर	सूचकांक स्कोर	देशों की संख्या
उच्च	0.8 से ऊपर	57 (नार्वे सबसे ऊपर)
मध्यम	0.5 – .799	88
निम्न	0.5 से नीचे	32

भारत मध्यम सूचकांक में है

अन्तर्राष्ट्रीय तुलना।

UNDP द्वारा मानव विकास प्रतिवेदन रिपोर्ट 2005 में 172 देशों को शामिल किया जिसमे भारत का स्थान 126 वां है।

अन्तर्राष्ट्रीय तुलनाएँ में प्रदेश के आकार और प्रति व्यक्ति आय का कोई प्रत्यक्ष सम्बन्ध नहीं है। सभी सूचकांकों के संयुक्त मान के आधार पर पर्याप्त भिन्नताएँ हैं।

सर्वोच्च सूचकांक वाले दस देश

1. नार्वे
2. आइसलैंड
3. आस्ट्रेलिया
4. लक्जेमबर्ग
5. कनाडा
6. स्वीडन
7. आयरलैंड
8. स्विटजरलैंड
9. बेल्जियम
10. संयुक्त राष्ट्र

उच्चतम सूचकांक वाले देश, जिन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा और सुशासन पर पर्याप्त बल दिया है।

निम्न मानव विकास सूचकांक वाले 32 देश है जो परस्पर राजनीतिक उपद्रव, गृहयुद्ध, सामाजिक अस्थिरता, अकाल, महामारी आदि से गुजरते रहे और मानव विकास पर ध्यान कम दे पाए।

यह भिन्नता प्रदर्शित करती है कि आर्थिक विकास, क्षेत्र का विस्तार आदि मानव विकास पर कम प्रभाव डालते हैं। जिन देशों में शिक्षा, स्वास्थ्य और क्षमता संवर्धन कल्याणकारी नीतियों पर जोर दिया वह कुल सूचकांक में आगे निकल गए।

सभी प्रकार के विकास का आधार है मानव विकास

Sunita
PGT Geog.
GGSSS Sonipat

Saturday (Conduction of Quiz)

Class XII - Geography

By : Sunita
PGT, Geog.
GGSSS, Sonipat

[Ch-3, 4]

1. अगर जनसंख्या 1,60,000 है और क्षेत्रफल 100 वर्ग कि०मी०, तो बताइए जनसंख्या घनत्व क्या होगा ?

2. विश्व के सघनतम बसे हुए क्षेत्र हैं ?
a) द० पूर्वी एशिया b) प० यूरोप
c) उ० पूर्वी अमेरिका d) उपरोक्त सभी

3. जनसंख्या की वास्तविक वृद्धि दर =
जन्म — ____ + आप्रवास — ____

4. किसी देश को ____________, सामाजिक उन्नति और आर्थिक विकास के स्तर द्वारा मापी जाती है ?

5. निम्नलिखित में से कौन सा प्रतिकर्ष कारक है ?
a) अनुकूल जलवायु b) प्राकृतिक विपदाएँ
c) शिक्षा सुविधाएँ d) उच्च जीवन स्तर

6. किस महाद्वीप में जनसंख्या वृद्धि दर सर्वाधिक है ?
a) अफ्रीका b) एशिया c) यूरोप d) आस्ट्रेलिया

7. जनसंख्या की आयु-लिंग संरचना से सम्बन्धित विशेषताएँ किस आरेख द्वारा प्रदर्शित की जाती हैं? ____________

8. 15-59 वर्ष की जनसंख्या को क्या कहा जाता है ?
____

9. कृषि, वानिकी, खनन, पशुपालन, मत्स्यन किस प्रकार की आर्थिक क्रियाएँ हैं ?
____

10. नेपाल, डेनमार्क, फिनलैण्ड, कनाडा में से किस देश में नगरीय की अपेक्षा ग्रामीण जनसंख्या ज्यादा है?
____

Prepared By : Sunita PGT Geo.

नवोदय क्रांति जियोग्राफी 12th (हिंदी)

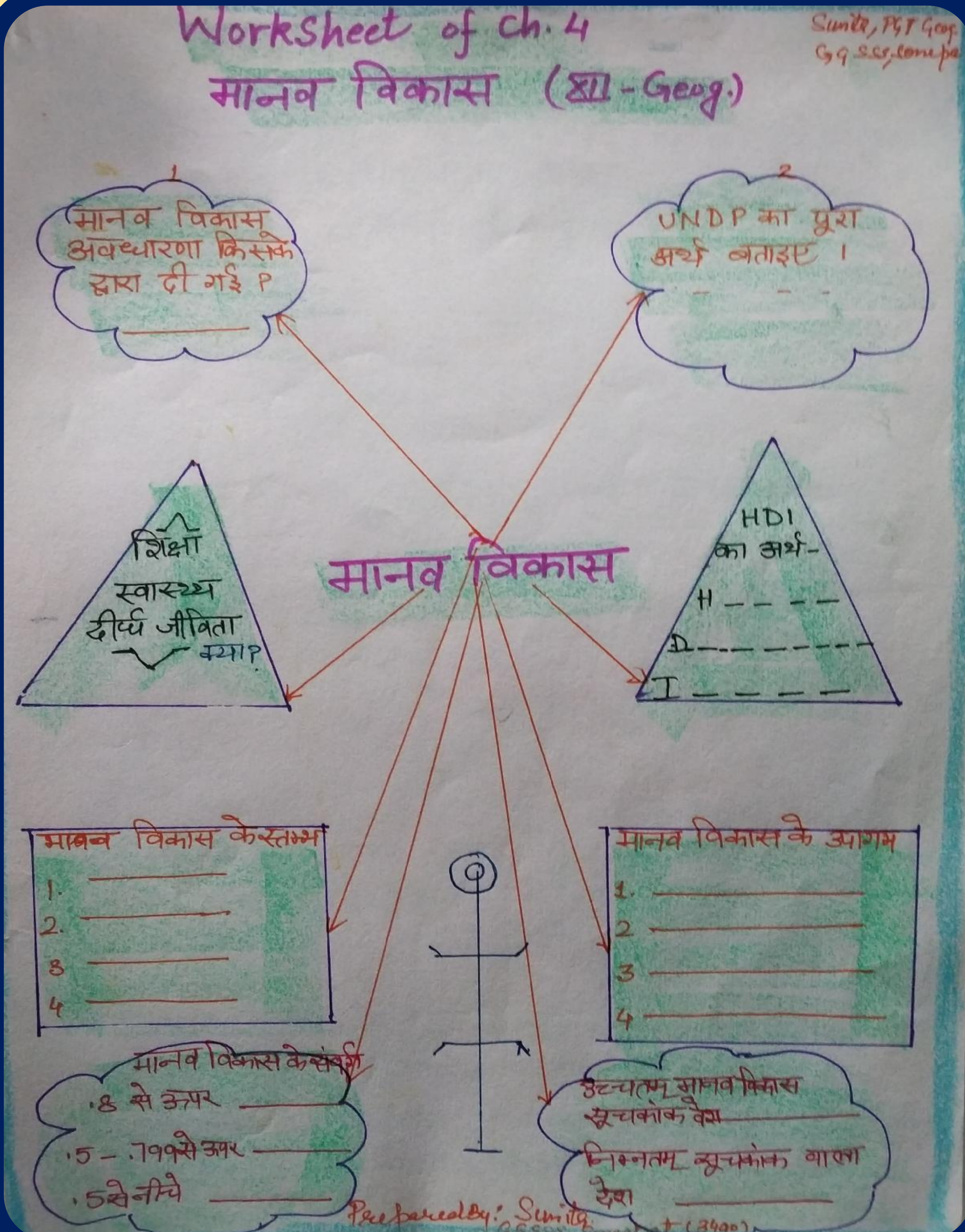

सबके लिए सरकारी शिक्षा बेहतर हो हमारी शिक्षा

प्राथमिक क्रियाएँ Ch. 5 Class XII ①

प्राथमिक क्रियाएँ → वे क्रियाएँ, जो प्रत्यक्ष रूप से प्रकृति प्राप्त उत्पादों, पदार्थों या साधनों का प्रयोग करती है।

या)

[प्रकृति प्रदत उपहारों/साधनों को प्राथमिक रूप में प्रयोग करना]

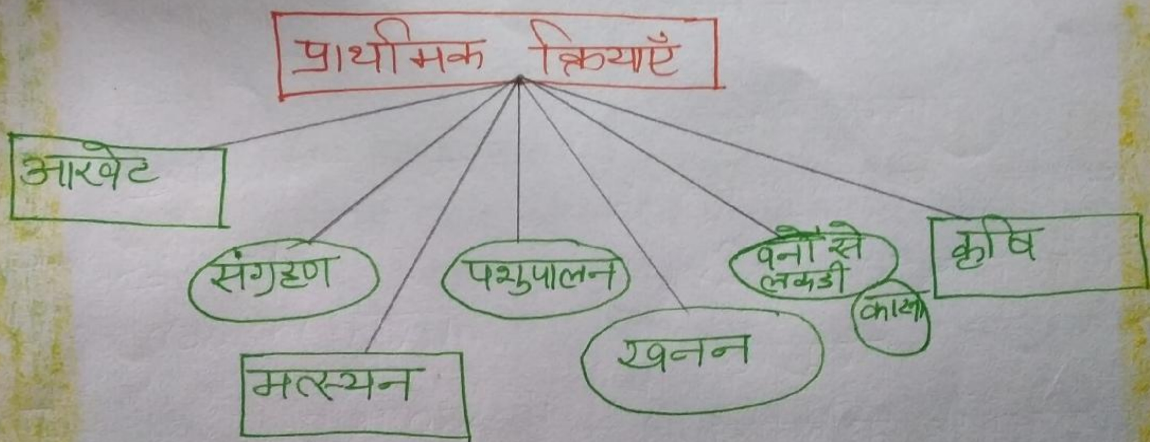

आखेट → प्राचीनतम व्यवसाय

प्राचीनतम व्यवसाय → आखेट, संग्रहण

* आखेट – शिकार करना, संग्रहण – वनों से फल फूल, कंदमूल आदि एकत्रित करना।

आखेट और संग्रहण

आखेट → आदिकालीन मानव द्वारा जीवन निर्वाह के लिए पशुओं का शिकार आखेट कहलाता है।

संग्रहण → वनों से फल, फूल, छाल, कन्दमूल आदि एकत्रित करना, और अपनी भोज्य आवश्यकताओं की पूर्ति करना, संग्रहण कहलाता है।

आखेट पर प्रतिबन्ध

2

1

संग्रहण क्षेत्र → उत्तरी कनाडा, यूरेशिया, चिली
→ अमेजन बेसिन, जायरे बेसिन, आस्ट्रेलिया एवं द० पूर्वी एशिया का आन्तरिक क्षेत्र

संग्रहण का व्यापारिकरण →
भोजन, पत्तियाँ, छाल, औषधीय पौन्धों का संसोधन

उपयोग — छाल — कुनैन, चमड़ा, कार्क
पत्तियाँ — पेय पदार्थ, दवांईयाँ, कान्तिवर्धकवस्तुएं
रेशे — कपड़ा
दृढ़फल — भोजन, तेल
तन — रबड़, बलाता, गोंद, राल

चिकल (चविंगम का भाग) — जपोटा

2 पशुचारण

भौगोलिक दशाओं और तकनीकी विकास के अनुसार पशुपालन को महत्व और चलवासी - व्यापारिक स्तर पर विकास

पशुपालन | पशुचारण

चलवासी
भोजन, वस्त्र, औजार, चारे के लिए स्थान परिवर्तन, उद्देश्य — जीवन निर्वाह
क्षेत्र → उ० अफ्रीका से अरब, मंगोलिया, मध्य-चीन, यूरोप और एशिया के टुण्ड्रा भाग

व्यापारिक | वाणिज्यक
उद्देश्य - व्यापार
क्षेत्र → न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया, अर्जेन्टीना, प्रेयरी, डाउन्स, वेल्ड क्षेत्र।
→ प्रजनन, नस्ल सुधार, स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान

ऋतुप्रवास →

चलवासी चरवाहे द्वारा ऋतुओं के अनुसार चारे और पानी की तलाश में पशुओं के साथ स्थानान्तरण | अलग-2 स्थानों पर प्रवास करना।

पशु — भेड़ बकरियाँ, गाय, बैल ...

मरुस्थल — भेड़, बकरी, ऊँट

उष्णकटिबन्धीय अफ्रीका — गाय, बैल

तिब्बत - एंडीज में — याक, लामा

आर्कटिक - ध्रुवीय क्षेत्र — रेंडियर

हिमालय — गुज्जर, बकरवाल, गद्दी, भूटिया (चरवाहे)

वहन क्षमता →

उपलब्ध चारे की उपलब्धता | क्षमता

मत्स्यन →

तटीय और जलीय क्षेत्रों में मछली पकड़ना, मत्स्यन कहलाता

खनन

भूगर्भ से खोदकर खनिज निकालना, खनन कहलाता है

खनन विधियाँ

- ① धरातलीय ~~भूमिगत~~ | खुला खनन
- ② कूपकी | भूमिगत खनन

(1.) ऊपरी परतों में पाए जाने वाले खनिजों के लिए खुला या धरातलीय खनन विधि प्रयोग में लाई जाती है।

(2) (अधिक गहराई से खनिज निकालने के लिए) कूपकी या भूमिगत खनन का प्रयोग होता है)

खनन को प्रभावित करने वाले कारक

1. भौतिक कारक
   (निक्षेपों का आकार, श्रेणी एवं उपस्थिति)

2. आर्थिक कारक
   खनिज की माँग
   विद्यमान ज्ञान (तकनीकी) उपयोग
   लगने वाली पूँजी
   श्रम, यातायात-पर व्यय आदि

खनन जोखिम भरा उद्यम या लुटेरा उद्योग ?

जहरीली गैसें, आग, दुर्घटना होने का भय
बाढ़ आदि की आशंका का भय
क्षेत्र से खनिज निकलने के बाद खाली हो जाता है जो अनेक प्रकार से विकास में बाधक

Prepared By:
Sunita Dhull
PGT, Geog.
GGSSS, Sonepat.

Worksheet of Ch. 5 (XII Geography)

1. निम्नलिखित का उचित मिलान करें।

A	B
1. प्राचीनतम व्यवसाय	i) याक, लामा
2. कुनैन	ii) सिनकोना
3. तिब्बत, एंडीज पर्वतीय क्षेत्र	iii) आखेट
4. कहवा बागान	iv) डेयरी उद्योग
5. डेनमार्क	v) फजेंडा
6. स्थानान्तरी कृषि	vi) नीदरलैंड
7. पुष्प उत्पादन में विशिष्टीकरण	vii) उ० पूर्वी भारत

2. खाली स्थान भरिए।

1. स्थानान्तरी कृषि को ______ भी कहते हैं।
2. गहन जीविका निर्वाह कृषि में खेतों का आकार ______ होता है।
3. बड़े पैमाने पर एक विशिष्टीकृत कृषि ______ कहलाती है, जिसका मुख्य उद्देश्य व्यापार होता है।
4. ______ कृषि नगरीय क्षेत्रों के निकट ही की जाती है।
5. ______ कृषि भूमध्य सागरीय क्षेत्रों की विशेषता है, इससे मदिरा भी बनाई जाती है।

3. Solve the Puzzle with the give clues

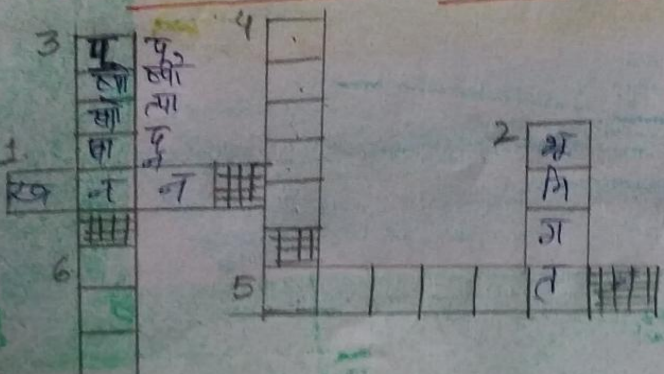

1. भूगर्भ से खोदकर निकालने की विधि
2. अधिक गहराई से खनिज निकालना
3. फूलों की कृषि
4. ऋतु के अनुसार स्थान बदलना
5. भविष्य उज्जवल नहीं
6. इंडोनेशिया में इस कृषि का नाम

Chapter 5 प्राथमिक क्रियाएँ Part - II

आर्थिक क्रियाएं

मानव के वे क्रियाकलाप जिनसे आय प्राप्त होती है। जैसे – कृषि, अध्यापन, फल बेचना --- आदि

आर्थिक क्रियाएँ

- **प्राथमिक क्रियाएँ** (पर्यावरण पर अधिक निर्भरता)
  - खनन
  - आखेट
  - संग्रहण
  - मत्स्य
  - पशुपालन
  - कृषि
  - लकड़ी काटना
  - पशुचराना --- आदि।
- **द्वितीयक क्रियाएँ** (विनिर्माण उद्योग) सभी प्रकार के उद्योग।
- **तृतीयक क्रियाएं** (सेवाएँ)
  - बीमा
  - बैंकिंग
  - अध्यापन
  - वकालत
  - डॉक्टर
  - ड्राइवर --- आदि
- **चतुर्थक क्रियाएँ** (उच्च श्रेणी की सेवाएं) अनुसन्धान और उच्च स्तरीय ज्ञान पर आधारित

प्राथमिक क्रियाएँ → कार्य करने वाले श्रमिक (Red colour) घर से बाहर रहकर कार्य करते हैं।

प्राचीनतम आर्थिक क्रियाएँ — आखेट और संग्रहण

कृषि → Chapter -5 Primary Activity Part-2

फसलें उगाना और पशुपालन करना, कृषि कहलाता है।

भौगोलिक, सामाजिक और आर्थिक कारकों की भिन्नता के कारण अलग - अलग भागों में विभिन्न प्रकार की कृषि की जाती है।

कृषि के प्रकार
- 1. जीविका निर्वाह कृषि
  - आदिकालीन निर्वाह कृषि
  - गहन निर्वाह कृषि
    - चावल प्रधान
    - चावल रहित
- 2. रोपण कृषि
- 3. विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि
- 4. मिश्रित कृषि

कृषि प्रकार
- 5. मिश्रित कृषि
- 6. डेयरी फार्मिंग
- 7. भूमध्यसागरीय कृषि
- 8. सब्जी खेती एवं उद्यान कृषि
  - ट्रक कृषि
  - पुष्पोत्पादन
- 9. सहकारी कृषि
- 10. सामूहिक कृषि

कृषि → जीवन निर्वाह

आदिकालीन निर्वाह कृषि	गहन निर्वाह कृषि
परम्परागत कृषि - स्थानांतरी कृषि	अधिक जन० वाले क्षेत्रों में की जाती है।
अफ्रीका, दक्षिणी अमेरिका एवं मध्य अमेरिका का उष्ण कटिबन्धीय क्षेत्र, दक्षिणी पूर्वी एशिया	चावल प्रधान → चीन, भारत, दक्षिणी-पूर्वी एशिया के सघन बसे क्षेत्र।
खेत - बदलते रहते हैं। परम्परागत विधियाँ उत्पादकता कम खाद्यान्न फसलें - मोटे अनाज कर्तन - दहन कृषि, काटना - जलाना भी कहते हैं।	खेत छोटे-2, अधिक मानवीय श्रम प्रति हेक्टेयर उत्पादकता अधिक और प्रति व्यक्ति कम भूमि का गहन उपयोग किया जाता है।

रोपण कृषि →

बृहद स्तरीय लाभोन्मुखी प्रणाली
कृषि क्षेत्र का आकार विस्तृत
अधिक पुंजी निवेश, उच्च प्रबंन्ध एवं तकनीकी
वैज्ञानिक विधियों का प्रयोग, विकसित यातायात
एक फसल की विशिष्टीकृत कृषि
फसलें — चाय, रबड़, कॉफी, गन्ना, केला, नारियल आदि

विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि

मध्य अक्षांशों के आन्तरिक अर्धशुष्क भागों में की जाती है।
फसलें — मक्का, जौं, राई, जई आदि
खेतों का आकार बड़ा
मशीनी यंत्रों का अधिक प्रयोग
प्रति एकड़ उत्पादन अधिक, प्रति व्यक्ति कम

मिश्रित कृषि →

क्षेत्र – उत्तरी-पश्चिमी यूरोप, उ० अमेरिका का पूर्वी भाग, यूरेशिया के कुछ भाग और दक्षिणी महाद्वीपों के समशीतोष्ण

खेतों का आकार – मध्यम

फसलें – जौ, जई, राई, मक्का, चारे की फसलें मुख्य घटक

फसल उत्पादन और पशुपालन – समान महत्व

शस्यावर्तन और अंत: फसली कृषि मृदा की उर्वरता को बनाए

विकसित कृषि यंत्र, खाद, उर्वरक, का गहन उपयोग

अधिक पूँजी, कृषकों की कुशलता और योग्यता – समान मह

डेरी कृषि :-

दुधारू पशुओं के पालन-पोषण का सर्वाधिक उन्नत प्रकार

अधिक पूँजी, पशुओं के लिए घास, छप्पर, भण्डार, यंत्र

पशुओं के स्वास्थ्य, नस्ल सुधार, पशु चिकित्सा विशे

अधिक श्रम की साल भर आवश्यकता

नगरीय क्षेत्रों के निकट – नाशवान पदार्थ, अधिक माँग, विकसित यातायात, प्रशीतक की व्यवस्था, पाश्चुरीकरण की व्यवस्था

क्षेत्र →

उत्तरी-पश्चिमी यूरोप, कनाडा, न्यूजीलैण्ड, द० पूर्वी आस्ट्रेलिया, तस्मानिया आदि।

भूमध्यसागरीय कृषि →

भूमध्यसागरीय क्षेत्रों में दक्षिणी यूरोप से उत्तरी अफ्रीका में ट्यूनीशिया से एटलांटिक तट तक फैला है।

खट्टे रसदार फल — सन्तरा, अंगूर, नीबू, आदि अंजीर, जैतून

बाजार के लिए सब्जी खेती एवं उद्यान कृषि →

सब्जियाँ, पुष्प और फल उगाए जाते हैं।
खेतों का आकार छोटा, उन्नत यातायात साधन
अधिक पूँजी, अधिक क्रय शक्ति उपभोक्ता। बाजार
गहन श्रम, सिंचाई, उर्वरक, अच्छी किस्म के बीज,
कीटनाशक, हरित गृहक्षेत्र एवं शीत क्षेत्रों में कृत्रिम ताप

क्षेत्र — उ० पश्चिमी यूरोप, यू० एस० ए० के उ० पूर्वी भाग, भूमध्यसागरीय क्षेत्र।

पुष्प उत्पादन में — नीदरलैंड (ट्यूलिप)

सब्जियाँ — ट्रक कृषि
फूल — पुष्पोत्पादन
पशु भी पाले जाते हैं।

सहकारी कृषि :-

कृषकों का समूह अधिक लाभ कमाने के लिए स्वेच्छा से सहकारी संस्था बनाकर कृषि कार्य सम्पन्न करे, तो सहकारी कृषि कहते हैं।

सहकारी संस्था — कृषकों को खाद, यंत्र, उचित मूल्य, उपलब्ध

क्षेत्र — डेनमार्क (सभी सदस्य), नीदरलैंड, बेल्जियम, स्वीडन, इटली

सामूहिक कृषि →

उत्पादन के साधनों पर स्वामित्व सम्पूर्ण समाज या समुदाय का होता है।

पूर्व सोवियत संघ — कोलखहोज

सभी कृषक — भूमि, पशुधन, श्रम — मिलाकर कृषि करते हैं

सरकार द्वारा — उत्पादन लक्ष्य निर्धारण
निर्धारित मूल्य पर फसल खरीदना

असाधारण कार्य करने वाले कृषक — नकद पुरस्कार

समाजवादी सरकार द्वारा आरम्भ — विघटन के बाद परिवर्तन ?
1991

Worksheet for Revision

Class XII, Geography

Chapter 5 Primary Activities

Prepared by:
Sunita, PGT Geog.
GGSSS, Sonepat

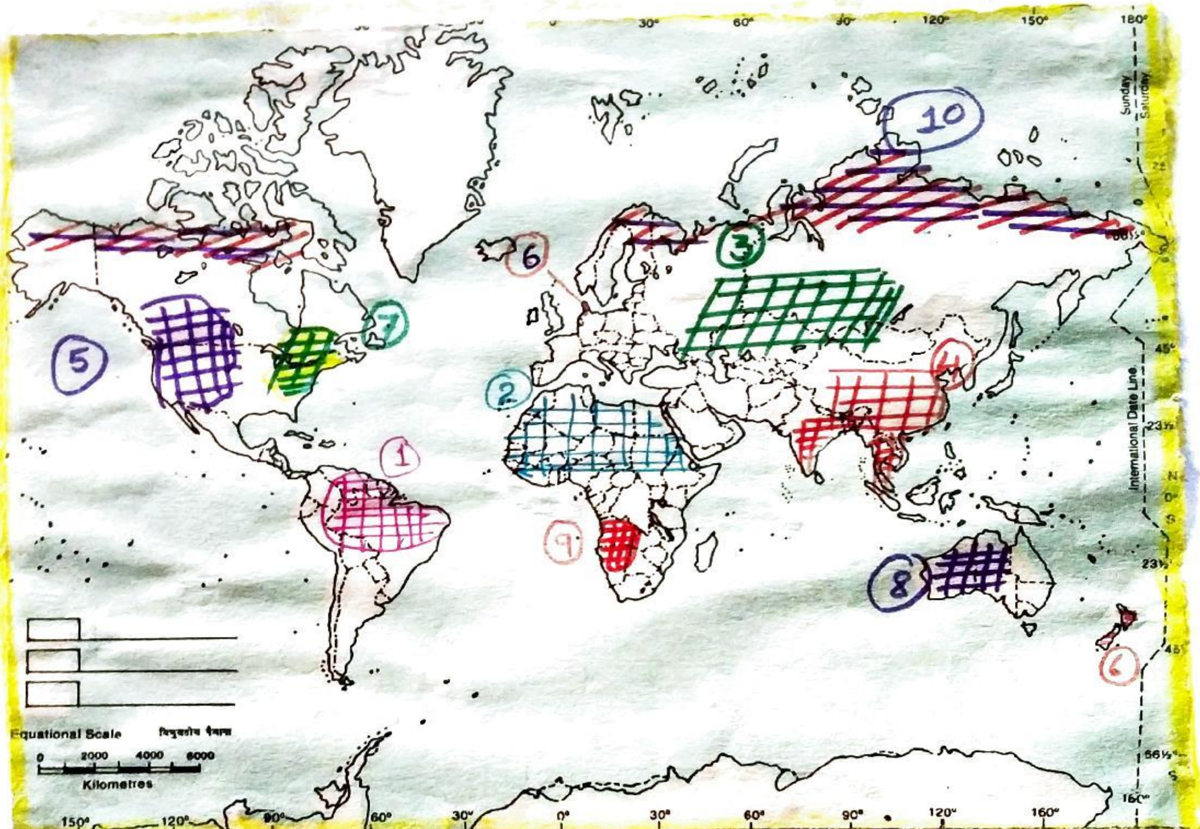

1. मानचित्र में दर्शांकित क्षेत्रों को उनकी विशेषताओं के आधार पर पहचानिए और बताइए कि वे किससे सम्बन्धित हैं ?

Do as directed :-

1. मानव का प्राचीनतम व्यवसाय है इस क्षेत्र का नाम बताइए ।
2. विश्व का सबसे बड़ा मरुस्थल — (________) पशुचारण का क्षेत्र
3. स्टेपीज घास भूमियाँ — ________ कृषि क्षेत्र
4. द० मानसूनी एशिया — ________ कृषि क्षेत्र
5. प्रेयरीज क्षेत्र — ________ क्षेत्र
6. डेयरी उत्पादन में अग्रणी देश — ________, ________

7. ______ कृषि क्षेत्र

8. ______ घास भूमियाँ (चलवासी पशुचारण के मुख्य क्षेत्र)

9. ______ द० अफ्रीका के घास प्रदेश

10. अति शीत क्षेत्र ______ संग्रहण के क्षेत्र

(2) Now tell the answer of these Questions

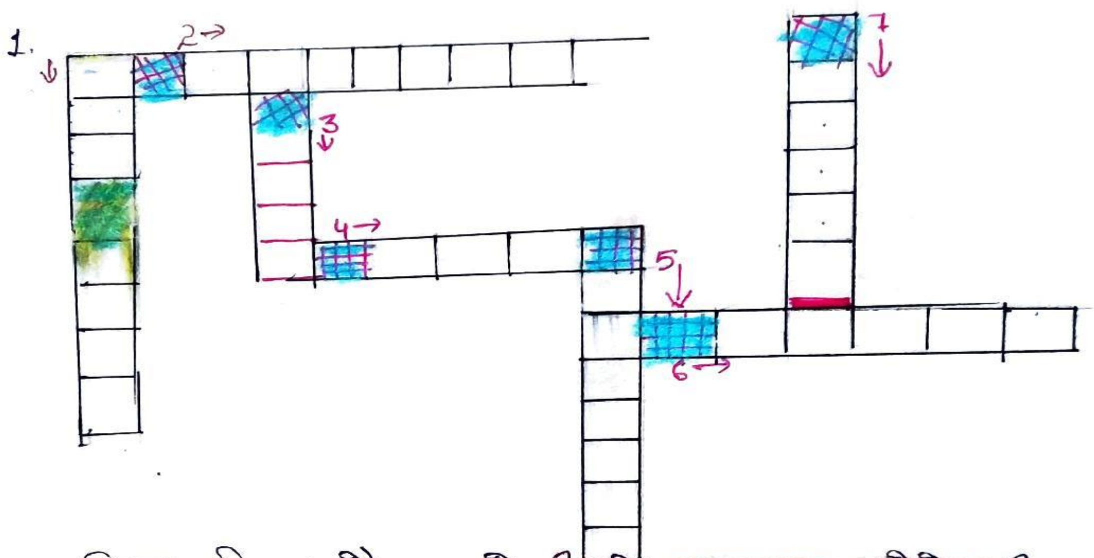

उपर्युक्त ग्रिड और पहेली को दिए गए संकेतों की सहायता से हल कीजिए।

1. मनुष्य के दो प्राचीनतम व्यवसाय
2. फूलों की कृषि
3. सब्जी, फलों की कृषि
4. जपोटा वृक्ष के दूध से बनता है?
5. अंगूर की कृषि
6. सोवियत संघ में सहकारी कृषि
7. पुष्पोत्पादन में विशिष्टीकरण

Prepared By
Geog.

Ans. (Map)

1. गहन जीविका निर्वाह कृषि
2. निर्वहन संग्रहण
3. चलवासी पशुचारण
4. व्यापारिक पशुचारण
5. विस्तृत वाणिज्यक अनाज कृषि
6. डेयरी फार्मिंग